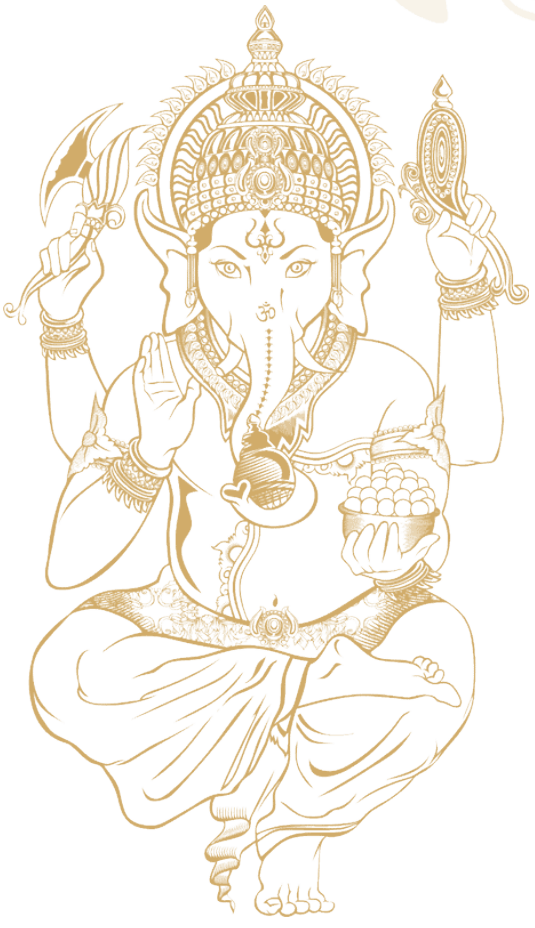

Durgesh Jayshree

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121458603

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
30/08/1996	जन्म तिथि	08/05/1996
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 12:25:00	जन्म समय	20:00:00 घंटे
घटी 15:16:10	जन्म समय(घटी)	34:55:30 घटी
India	देश	India
Nasik	स्थान	Kalyan
20:00:00 उत्तर	अक्षांश	19:17:00 उत्तर
73:52:00 पूर्व	रेखांश	73:11:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:32	स्थानिक संस्कार	-00:37:16 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:18:32	सूर्योदय	06:05:33
18:51:16	सूर्यास्त	19:02:16
23:48:41	चित्रपक्षीय अयनांश	23:48:26

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
शनि 16वर्ष 11मा 11दि	06:57:37	वृश्चि	लग्न	वृश्चि	08:07:58	सूर्य 3वर्ष 1मा 6दि
बुध	13:22:02	सिंह	सूर्य	मेष	24:27:40	राहु
11/08/2013	04:46:24	मीन	चंद्र	मक	03:06:38	14/06/2016
12/08/2030	29:30:43	मिथु	मंगल	मेष	10:34:25	14/06/2034
बुध 08/01/2016	08:32:57	कन्या	बुध व	वृष	03:57:30	राहु 25/02/2019
केतु 04/01/2017	14:02:17	धनु व	गुरु व	धनु	23:49:25	गुरु 21/07/2021
शुक्र 05/11/2019	27:54:28	मिथु	शुक्र	मिथु	02:02:50	शनि 27/05/2024
सूर्य 11/09/2020	12:09:34	मीन व	शनि	मीन	09:40:40	बुध 14/12/2026
चन्द्र 10/02/2022	14:25:17	कन्या व	राहु व	कन्या	22:56:02	केतु 02/01/2028
मंगल 07/02/2023	14:25:17	मीन व	केतु व	मीन	22:56:02	शुक्र 01/01/2031
राहु 27/08/2025	07:28:43	मक व	हर्ष	मक	10:46:37	सूर्य 26/11/2031
गुरु 02/12/2027	01:31:39	मक व	नेप व	मक	03:55:24	चन्द्र 27/05/2033
शनि 12/08/2030	06:37:54	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	08:18:52	मंगल 14/06/2034

लग्न-चलित

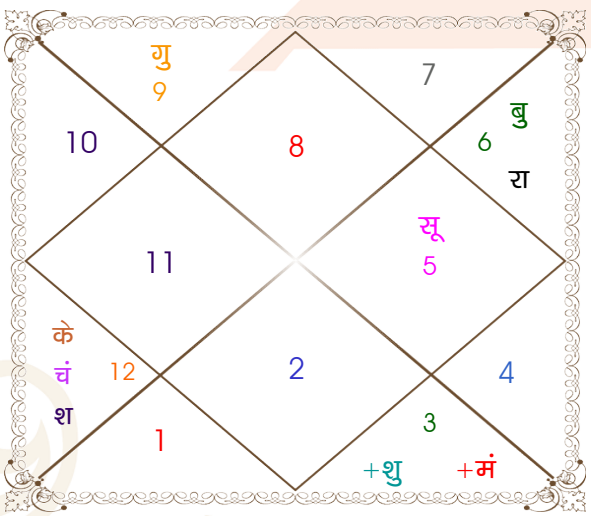

लग्न-चलित

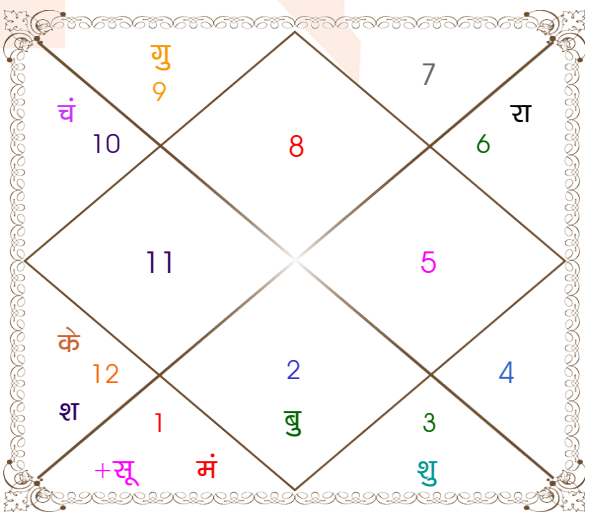

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	नकुल	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	शनि	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	मकर	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	29.50		

Durgesh का वर्ग सर्प है तथा श्रंलेीतमम का वर्ग मूषक है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Durgesh और श्रंलेीतमम का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Durgesh मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

श्रंलेीतमम मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है।

गुणबाहुल्ये भौमदोषो न विद्यते।।

यदि अधिक गुण मिलते हों तो मंगल दोष नहीं लगता।

क्योंकि अधिक गुण मिलते हैं अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु श्रंलेीतमम कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Durgesh तथा श्रंलेीतमम में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।